

भारत सरकार  
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारंकित प्रश्न संख्या 5602

शुक्रवार, 26 जुलाई, 2019 को उत्तर देने के लिए

हिमनदों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

5602. श्री जामयांग त्सेरिग नामग्याल:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या हिमालय जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापन के प्रभाव का तीव्र गति से सामना कर रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि हिमालयी क्षेत्र में फसली खेत हिमनद पर निर्भर हैं और कम होती हिम-पात और घटते ग्लेशियरों से ऐसे क्षेत्रों विशेषकर लद्दाख में पानी की कमी हो जाती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या हिमालय पर काम करने वाले विभिन्न हिमनद विज्ञानी घटते ग्लेशियरों के पैटर्न की सूचना दे रहे हैं और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और
- (घ) क्या घटते हिमनद लोगों की आजीविका को प्रभावित करेंगे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन हिमनदों को बचाने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री; विज्ञान और

प्रौद्योगिकी मंत्री; तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री

(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) जी, हाँ, हाल के वर्षों में, धरातल के तापमानों में वृद्धि, शीत दौर की बारंबारता में ह्रास, उग्र घटनाओं की प्रबलता और आवृत्ति में वृद्धि, आदि की दृष्टि से हिमालय पर जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापन का प्रभाव परिलक्षित हो रहा है।

(ख) जी, हाँ, सरकार को ज्ञात है कि भारतीय हिमालय क्षेत्र स्थित कुछ फसल क्षेत्रों में बर्फ और हिमनदी पहुँचती है। हालांकि, अब तक जल की उपलब्धता विशेष रूप से सिंधु घाटी में जिसका एक भाग लद्दाख है, फसलों के लिए जल की वर्तमान अपेक्षा को पूरा करने के लिए पर्याप्त है तथा इससे फसल क्षेत्रों में प्रतिकूल प्रभाव अब तक नहीं पड़ा है।

(ग) कुछ हिमालयी हिमनदों पर किए गए व्यापक संतुलित अध्ययन से पता चला कि अधिकांश हिमालयी हिमनद जलवायु परिवर्तन सहित अन्य विभिन्न कारणों के परिणामस्वरूप घटती-बढ़ती गति से पीछे हट रहे हैं या पश्चगमन कर रहे हैं। तथापि हिमनदों के उतार में कोई अपसामान्य प्रवृत्ति दृष्टिगोचर नहीं हुई है। अध्ययनों से यह भी ज्ञात हुआ कि 10 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र के विशाल हिमनदों के पर्याप्त मात्रा में प्रभावित होने की संभावना निकट भविष्य में कम है। हालांकि 2 वर्ग किलोमीटर से कम क्षेत्रफल वाले लघु हिमनदों में तीव्रगति से परिवर्तन हो सकता है।

(घ) हिमनदों के पीछे हटने से हिमालय के हिमनदों के पानी पर आश्रित लोगों की आजीविका प्रभावित होने की संभावना है। सरकार सामने आ रही स्थिति से अवगत है तथा जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए जलवायु परिवर्तन प्रशमन और अनुकूलन उपायों की दृष्टि से आवश्यक कदम उठा रही है।

\*\*\*\*\*